ओसे
कोलिनिसौ

मेरे सारे आनंद का स्रोत

ओसी कोलिनिसौ फ़िजी के एक पेशेवर रग्बी खिलाड़ी हैं जो 2016 रियो ओलिम्पिक्स में अपने देश के ध्वजवाहक थे। वे फ़िजी सेवन्स टीम के कप्तान भी थे और उनकी कप्तानी में टीम ने स्वर्ण पदक हासिल किया – यह ओलिम्पिक गेम्स में फ़िजी का अब तक का पहला पदक था। कोलिनिसौ अमेरिका में मेजर लीग रग्बी के साथ पेशेवर स्तर पर खेलते हैं।

मेरे रग्बी करियर में मैं आज जहां हूं वहां तक पहुंचने में मुझे ढेर सारी कड़ी मेहनत और प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा है। मैं अपने पिता से मिली सीखों और सहयोग के लिए उनका शुक्रगुजार हूं। मेरे पिता एक पादरी थे और उन्होंने मुझे सिखाया कि कड़ी मेहनत और ईसा मसीह में विश्वास के साथ, कुछ भी असंभव नहीं है। मैंने अपने खुद के जीवन में इस बात को फलीभूत होते देखा है। मैं जानता हूं कि मुझमें जो कौशल है वह यीशु ने ही मुझे दिया है और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने मुझे इस कौशल के उपयोग के जो मौके दिए हैं उनके लिए मैं उनका शुक्रगुजार हूं।

2016 रियो ओलिम्पिक्स में जाना एक अविश्वसनीय अनुभव था। जब मुझे बताया गया कि मैं अपने देश का ध्वज लेकर चलूंगा, तो मेरे लिए यह बहुत बड़ी बात थी। इससे पहले जब भी मैं ओलिम्पिक का उद्घाटन समारोह देखता था, तो मैं सारी रोशिनियां, परेड करते खिलाड़ियों, और विभिन्न देशों के ध्वजों को देखा करता था। यह जान कर मैं भावुक हो गया कि दुनिया के सबसे महान खेल आयोजनों में से एक में मैं यह ध्वज लेकर चलूंगा। रग्बी, फ़िजी का नंबर 1 अंतरराष्ट्रीय खेल है। मुझे गर्व है कि मैं न केवल खुद का और अपनी टीम का, बल्कि अपने परिवार और अपने देश का भी प्रतिनिधित्व कर सका। यह एक बहुत बड़ा सम्मान था।

ओलिम्पिक्स में होने से मुझे एक बिल्कुल ही अलग स्तर का आनंद मिला। इससे पहले, जब

AP फोटोज/कामरान जेब्राली, थेम्बा हाडेबे

पसंदीदा आयत

“यहोवा ने मुझे गर्भ ही में से बुलाया, जब मैं माता के पेट में था, तब ही उसने मेरा नाम बताया।” – यशायाह 49: 1

हमारा राष्ट्रीय गान बजता था तो मेरी आंखों में हमेशा आंसू आ जाते थे। पर ओलिम्पिक गेम्स में, मैं खुद को मुस्कुराने से रोक न सका।

लोग मुझसे पूछते, “तुम इतना क्यों मुस्कुरा रहे हो?” और मैं जवाब नहीं दे पाता था। मैं बस हंसना चाहता था क्योंकि मेरे अंदर आनंद के बुलबुले उठ रहे थे।

पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने से भी बड़ी बात यह है कि मुझे परमेश्वर के राज्य का प्रतिनिधित्व करने का सौभाग्य मिला है। उसके आगे कोई चीज़ नहीं ठहरती! आप स्वर्ण पदक जीत सकते हैं, पर यह जानना सबसे बड़ा पुरस्कार है कि आप परमेश्वर की संतान हैं। यह जानना किसी भी व्यक्ति का सबसे बड़ा लक्ष्य होना चाहिए कि यीशु उसके अपने भगवान और उद्धारक हैं।

रग्बी के खेल के लिए मुझमें जो आनंद है वह मुझे परमेश्वर से मिला है। वही मेरे सारे आनंद का स्रोत हैं। मेरे अंदर यीशु के होने से, मैं एक ऐसी शांति और स्थिरता का अनुभव करता हूं जिसे समझाया नहीं जा सकता है। मेरे टीम सदस्य और मैं यह सुनिश्चित करते हैं कि हम हमारे हर खेल से पहले और उसके बाद प्रार्थना करें और परमेश्वर के साथ समय बिताएं। सुबह हम साथ मिल कर प्रार्थनाएं करते हैं और फिर प्रशिक्षण के बाद दोबारा से हम प्रार्थनाएं करते हैं। हम सभी जानते हैं कि ईसा मसीह ही वह कारण हैं जिसके चलते हम यह खेल खेलते हैं। वह जिसने हमें मृत्यु से बचाया और अपनी मृत्यु एवं पुनर्जीवन के माध्यम से हमें जीवन दिया वह हमारे पक्ष में है।

जब मैं रग्बी से संन्यास लूंगा, तो मैं उम्मीद करता हूं कि लोग पीछे मुड़ कर मेरे खेलने के तरीके को देखेंगे और महसूस करेंगे कि मैं अलग था – इसलिए नहीं कि मैंने क्या किया, बल्कि इसलिए कि मैं किसमें विश्वास करता हूं। जब लोग देखते हैं कि आज मैं कहां हूं, तो मैं चाहता हूं कि वे जानें कि मैं यहां केवल और केवल यीशु के कारण पहुंचा हूं।

यदि मेरे जीवन में यीशु न होते, तो मैं वह इंसान न होता जो मैं आज हूं। मैं ओलिम्पिक पदक न जीता होता। मुझे ख़ुशी है कि परमेश्वर ने प्रतिस्पर्धा करने और जीतने के लिए मुझे चुना, पर मुझे इससे भी ज़्यादा ख़ुशी इस बात की है कि मैं उनके राज्य का एक भाग हूं, जो सोने से कहीं अधिक कीमती है।